नई किरन
भाग – 1

नई किरन

(पहला भाग)

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग
राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन, लखनऊ-226 005

नई किरन
(पहला भाग)

रचना मण्डल

डॉ० एन० के० सिंह
श्री लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'
डॉ० श्यामलाल कान्त वर्मा
डॉ० हीरालाल बाछोतिया
डॉ० जयपाल सिंह, "तरंग"
डॉ० टी० आर० सिंह
श्री श्यामलाल
डॉ० धर्म सिंह
श्री वीरेन्द्र गुलासी
श्री लायक राम 'मानव'
श्री विश्वनाथ सिंह

चित्रांकन

श्री डी० वी० दीक्षित
श्रीमती अलका दीक्षित
कु० पूनम शाही
कु० मीरा गुप्ता
श्री के० जी० सिंह

प्रकाशक

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन
लखनऊ—226005

मुद्रक :
वर्धन प्रिन्टर्स
94 , महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ

भूमिका

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के उपरान्त प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्य और कार्यक्रमों में व्यापक परिवर्तन संशोधन हुआ है। इस संशोधन का प्रभाव कार्यक्रम के प्रत्येक पक्ष पर पड़ा है। मूल साक्षरता सामग्री के निर्माण और उसकी प्रयोग विधि पर भी नवीन परिवर्तनों का असर स्वाभाविक था।

नई नीति के अनुसार निकेतन द्वारा प्रकाशित सभी प्रवेशिकाओं को संशोधित और पुनर्निर्मित किया गया है। कुछ नई प्रवेशिकाएं भी बनाई गई हैं। नई प्रवेशिकाओं में 'गढ़ प्रवेशिका', 'कुमायूँ भारती', 'आदि भारती' तथा 'नई किरन' मुख्य हैं। गढ़ प्रवेशिका गढ़वाल क्षेत्र के लिए, कुमायूँ प्रवेशिका कुमायूँ के लिए, आदि भारती सोनभद्र के लिए तथा नई किरन सामान्य रूप से शेष सभी क्षेत्रों के लिए बनाई गई है। नई किरन, नई राह के स्थान पर प्रस्तावित है।

इन प्रवेशिकाओं की कुछ प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं :—

०० प्रवेशिकाएं क्षेत्रीय रुचिओं और आवश्यकताओं पर आधारित हैं। इनमें केवल स्थानीय विषय और समस्याओं को ही नहीं, वरन् स्थानीय भाषा को भी प्रमुखता दी गई हैं। हमारा विश्वास है कि यदि प्रौढ़ ने अपनी बोली के आधार पर वर्ण और मात्राएं सीख लीं, तो वह मानक भाषा भी शीघ्रता से सीख सकता है, अतः स्थानीय बोली से मानक भाषा पर लाना सहज, सार्थक और शीघ्रगामी है।

०० सभी प्रवेशिकाएं एकीकृत विधा और मानकों पर आधारित हैं। एकीकृत का मूल तात्पर्य यही है कि साक्षरता, चेतना जागृति एवं व्यावसायिक दक्षता साथ-साथ चले। प्रौढ़ जो कुछ भी पढ़े उसका सुदृढ़ीकरण परीक्षण और मूल्यांकन भी साथ-साथ होता जाए। अतः प्रत्येक तीन अथवा चार पाठों के उपरान्त जांच पत्र दिए गए हैं। व्यावहारिक दक्षता के स्तर तक पहुंचने के लिए प्रारम्भिक स्तर की प्रवेशिका को 3 भागों में बांटा गया है। इसे यह भी कह सकते हैं कि अब प्रवेशिका 3 भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग का अपना स्तर है। उसी स्तर के आधार पर जांच पत्र और प्रमाण पत्र दिए गए हैं। भाषा, लेखन, उच्चारण तथा गणित के अभ्यासों को प्रवेशिका के साथ ही जोड़ दिया गया है।

०० इस प्रवेशिका के निर्माण में हमें डा० एन०के० सिंह, डा० एस०के० वर्मा एवं डा० हीरालाल बछौतिया का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। विधा, भाषा एवं चित्रांकन विशेषज्ञों में साक्षरता निकेतन के डा० टी० आर० सिंह, श्री श्याम लाल, डा० धरम सिंह, श्री लायकराम 'मानव' श्री के०जी० सिंह, श्री डी०वी० दीक्षित, कुमारी पूनम साही एवं कुमारी मीरा गुप्ता तथा पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग के अध्यक्ष, श्री वी०एन० सिंह ने अथक परिश्रम करके इस कार्य को पूरा किया। हम उपर्युक्त सभी महानुभावों के आभारी हैं।

आशा है यह प्रवेशिका राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल होगी। इस प्रवेशिका के विषय में सुधी विद्वानों की प्रतिक्रिया का हम स्वागत करेंगे।

शिवदत्त त्रिवेदी
निदेशक
राज्य संदर्भ केन्द्र।

नई किरन

(पहला भाग)

पाठ इकाई विवरणिका

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा-बिन्दु	रा. सा. मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1.	मकान	म का न	–	आवासः प्रकार, महत्व, हवा, रोशनी की व्यवस्था	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल विकास
2.	खाद, पानी	ख द प ी	1 से 2 की गिनती	कृषिः खाद व पानी का महत्व	का. शि., कौ. वि., आर्थिक-कार्यकलाप
3.	हल-बैल	ह ल ब ै	3 से 5 की गिनती	कृषिः साधन व उपकरण	का. शि., आ. का.
जाँच पत्रः 1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)					
4.	गाय-दूध	ग य ू ध	6 से 10 की गिनती	पशुपालनः गाय की नस्लें, सरकारी सुविधाएँ	का. शि., कौ. वि., आ. का., चेतना जागृति
5.	आम, अनार, केला	आ अ र े	11 से 15 की गिनती	बागवानीः आम, केले की किस्में, बीमारियाँ व उपचार	का. शि., कौ. वि., आ. का., चेतना जागृति
6.	हथकरघा, बुनाई	थ घ ु ई	16 से 20 की गिनती	कुटीर उद्योगः कताई, बुनाई, ऋण की सुविधाएँ	आ. का., कौ. वि., का. शि., चेतना जागृति
जाँच पत्रः 2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)					
7.	ऊन, रोजगार, नौकरी	ऊ ो ज ौ	21 से 30 की गिनती दहाई-इकाई	कुटीर उद्योगः कालीन व ऊनी वस्त्र बुनना, सुविधाएँ	कौ. वि., आ. का., चेतना जागृति
8.	औरत, ओढ़नी	औ त ओ ढ़	31 से 40 की गिनती	नारी-नर समानताः नारी-महत्व, गृह कार्य	का. शि., चेतना जागृति, मानवीय मूल्य
9.	गाँव, सरपंच	ँ व स ं च	41 से 50 की गिनती	लोकतंत्रः चुनाव, ग्राम विकास योजनाएँ	का. शि., आ. का., चेतना जागृति
जाँच पत्रः 3 (पाठ 1 से 9 के लिए)					

पाठ 1

मकान

म का न

म	ा	मा	मामा
क	ा	का	काका
न	ा	ना	नाना
मन	मान	नाम	कमान
कान	नमक	नाक	कम

हवादार छोटा - सा सुन्दर मकान।
सबको मिल जाए, क्या इतना आसान ॥

मामा का काम।

मामा का मकान।

नाना का नाम।

काका का न काम,

न मकान,

न नाम।
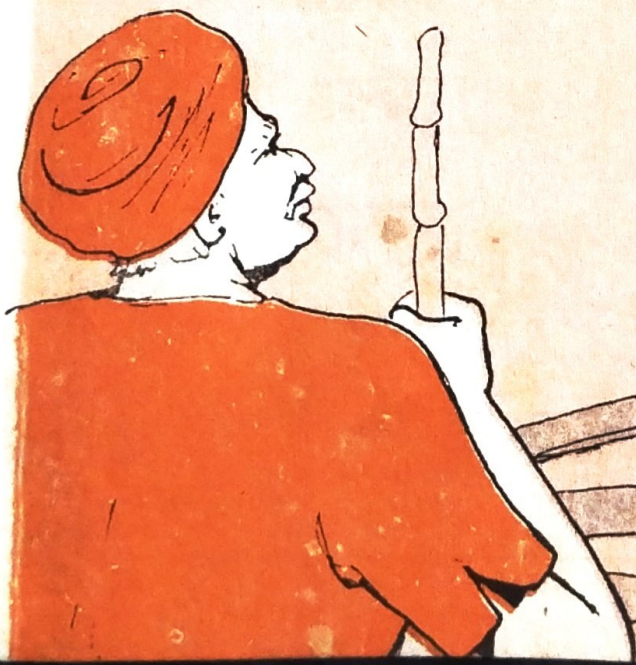
अभ्यास – 1

1 पढ़िए

म क ा न न म क

मकान काम नाम

2 लिखिए

(क) म --- --- --- ---

क --- --- --- --

ा ---- ---- ---- ----

न --- --- --- ---

(ख) मकान ----- ----- -----

काम ----- ----- -----

नाम ----- ----- -----

पाठ 2

खाद पानी

ख द प ी

ख	खान	खाना	मखाना	खानदान
द	दान	दादा	मदद	कदम
प	पद	पान	पकाना	पनपना
ी	पीना	नदी	दीपक	नीम

अच्छा बीज, अच्छी खाद और उचित पानी।
मिलते ही, खेत की बदले कहानी ।।

खाना खा,

पानी पी,

नदी का पानी न पी।

न खाद, न पानी।

न पानी न पनपना।
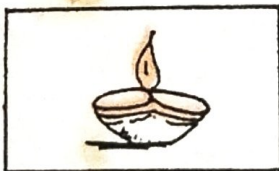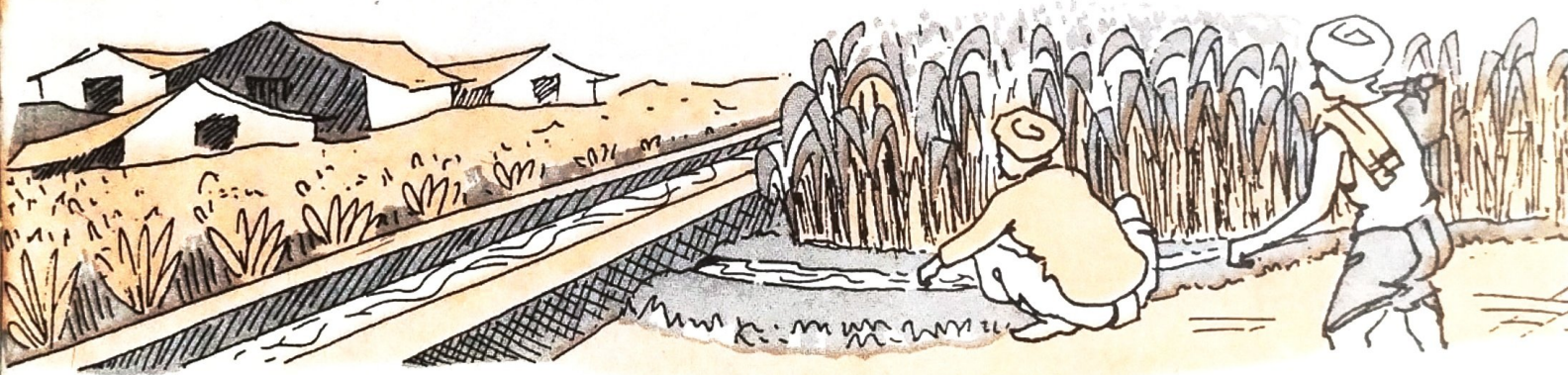
1

2

अभ्यास – 2

1. पढ़िए :

ख द प

खाद पानी

खाना दीपक नापना नदी

2. लिखिए:

(क) ख ---- ---- ---- ----

द ---- ---- ---- ----

प ---- ---- ---- ----

ी ---- ---- ---- ----

(ख) खाद ------ ------ ------

पानी ------ ------ ------

मदद ------ ------ ------

3. लिखिए:

1 .... 2 ....

हल बैल

ह ल ब ै

ह	हम	महान	कहानी	दही
ल	लाल	माला	नाली	कालीन
ब	बल	बालक	बादाम	बादल
ै	है	मैना	बैनामा	पैदल

हल बैल कृषि के साधन।
ट्रैक्टर हो तो और बढ़े धन ॥

लखन का हल है,
बैल है।
खाद है, पानी है।
लखन मालामाल है।

3

4

5

अभ्यास–3

1. पढ़िए :

हम	हक	माला	मैना
बाला	बादल	दलदल	पैदल

2. लिखिए:

(क) ह ---- ---- ---- ----

ल ---- ---- ---- ----

ब ---- ---- ---- ----

(ख) बहन ------ ------ ------

बालक ------ ------ ------

कमला ------ ------ ------

3. गिनिए और अंकों में लिखिए:
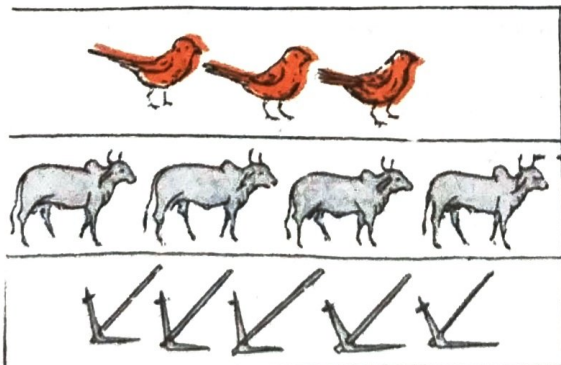
जाँच-पत्र : 1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़िए :

(क) नमक खानदान कामना

कहानी बादल मापक

(ख) मामा का मकान है। हल है, बैल है।

2. लिखिए :

(क) माखन ---------- कदम ----------

पनपना ---------- पैदल ----------

(ख) (i) न काम न मकान ।

---- -------- ---- -----

(ii) खाद है,पानी है।

----- --- ------ ---

3. (क) छूटी हुई गिनती लिखिए :

1 .... 3 5

(ख) चौखटे में बनी वस्तु गिनिए और आगे के खाली चौखटे में गिनती में लिखिए :
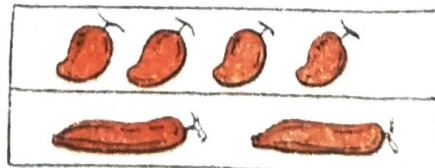
पाठ 4
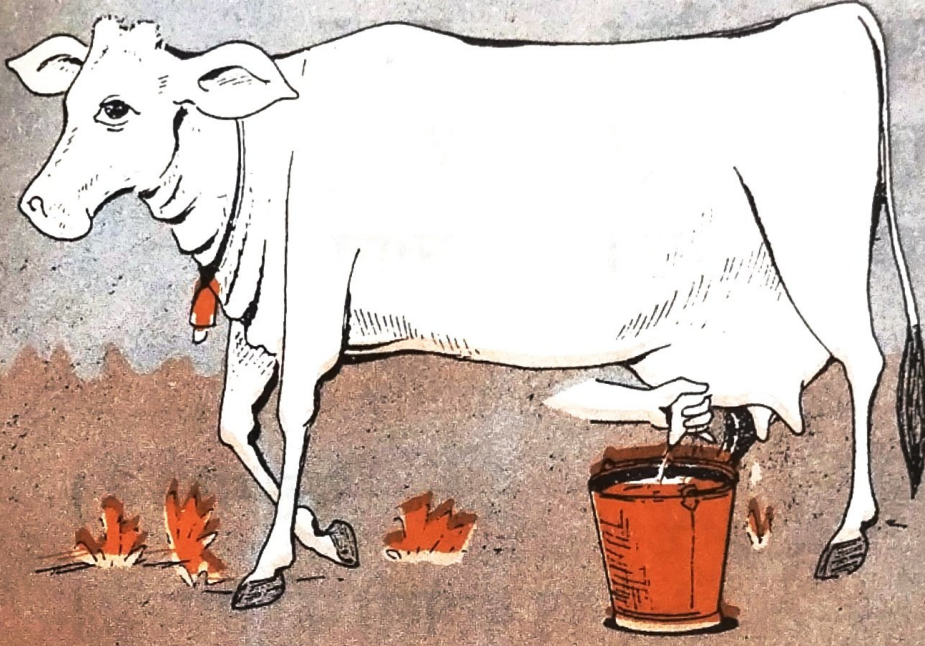
गाय दूध

ग य ू ध

ग	गला	गमला	गली	बाग
य	यह	याद	माया	मैया
ू	मूली	बबूल	कानून	बहू
ध	धन	धान	धूप	धीमा

गाय दूध ज्यादा तब देगी।
चारा दाना खली मिलेगी ॥

गाल	गाना	गहना	काग
दया	बयान	नैया	काया
दूब	खूब	खून	लू
धागा	बाधा	धूनी	मगन

यह गाय है।

यह कमली की गाय है।

गाय धन है।

गाय का दूध धन है।

खूब दूध है।

खूब धन है।

6	7	8	9	10

अभ्यास–4

1. पढ़िए :

ह ब ल क म न य ध ग

गमला दूब दया माया

बबूल कानून धान धूप

2. लिखिए :

(क) ग --- --- --- --- ---

य --- --- --- --- ---

ध --- --- --- --- ---

(ख) गाना बाग यह याद

---- ---- ---- ----

---- ---- ---- ----

बयान धान बाधा धागा

---- ---- ---- ----

---- ---- ---- ----

यह कमली की गाय है।

--- ----- -- ---- --

--- ----- -- ---- --

गाय का दूध है।

---- --- --- ---

---- --- --- ---

3 गिनती लिखिए:

6	....	....	....	....
7	....	....	....	....
8	....	....	....	....
9	....	....	....	....
10	....	....	....	....

पाठ 5

आम अनार केला

आ अ र े
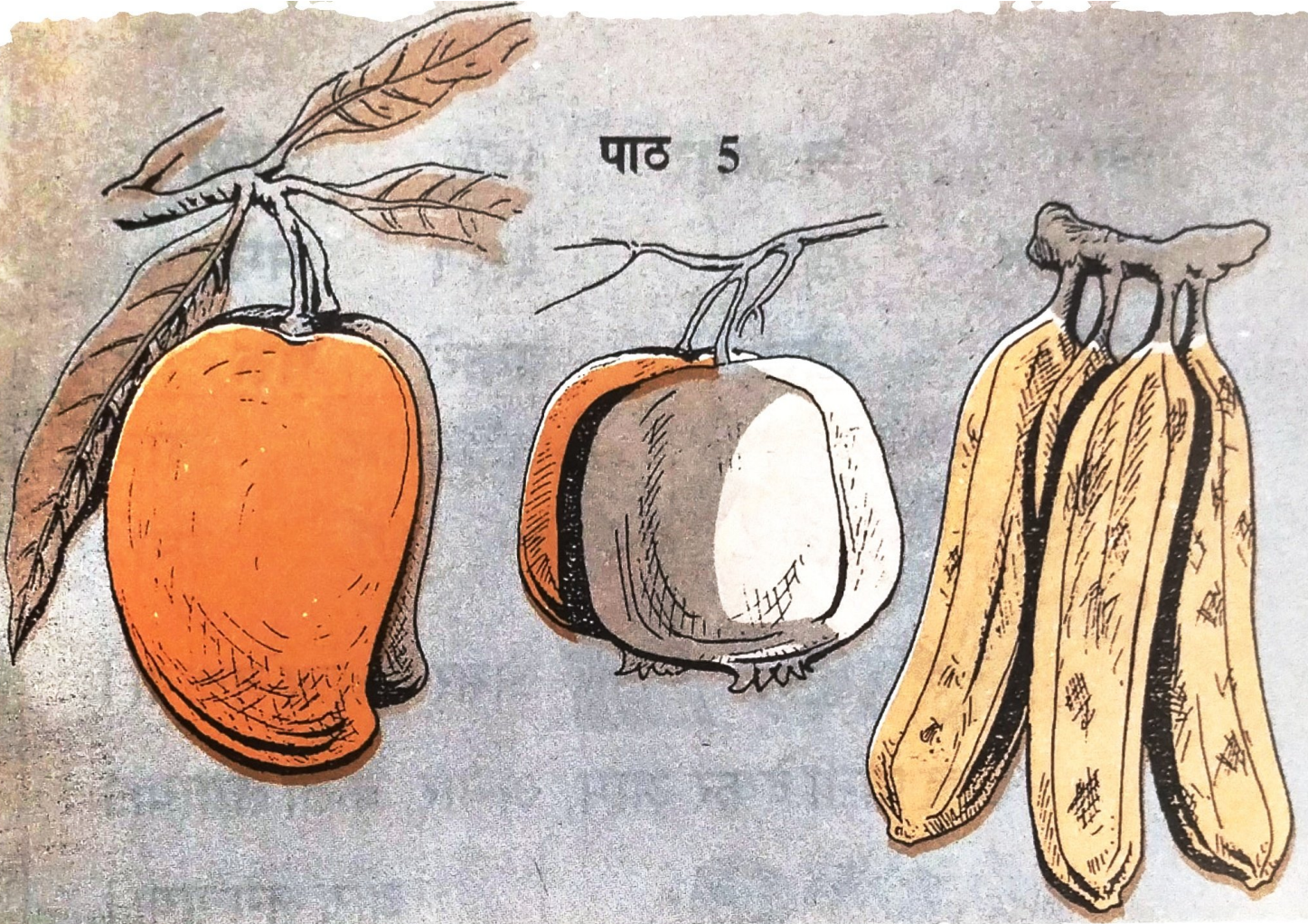
आ	आप	आदमी	आबादी	आमदनी
अ	अब	अपना	अबला	अगन
र	नर	नगर	नैहर	अमरूद
े	मेला	नेक	देरी	लेन-देन

आम अनार केला जो खावे।
सुखी निरोगी काया पावे ।।

आग	अखबार	आलू	आधा
अदरक	खीर	बेलन	अमर
गागर	खेल	बकरी	गेरू

अमर ने बाग लगाया।

खाद पानी देकर आम, अनार, केला लगाया।

बाग लग गया।

आमदनी आने लगी।

अमर अब धनी है।

11 12 13 14 15

अभ्यास – 5

1. पढ़िए :

आलू आबादी आमदनी अपनी

अमर रेल मेरी देरी

2. लिखिए :

(क) आ --- --- --- --- ---

अ --- --- --- --- ---

र --- --- --- --- ---

(ख) आन आबादी आदर अमर

---- ---- ---- ----

अबला रेल बकरी दरी

---- ---- ---- ----

(ग) अमर ने बाग लगाया।

----- -- ---- --------

राधा ने आम लगाया।

----- -- --- --------

अब आम पकेगा।

--- ---- ------

3. गिनती लिखिए:

10 + 1 = 11 ....

10 + 2 = 12 ....

10 + 3 = 13 ....

10 + 4 = 14 ....

10 + 5 = 15 ....

पाठ 6
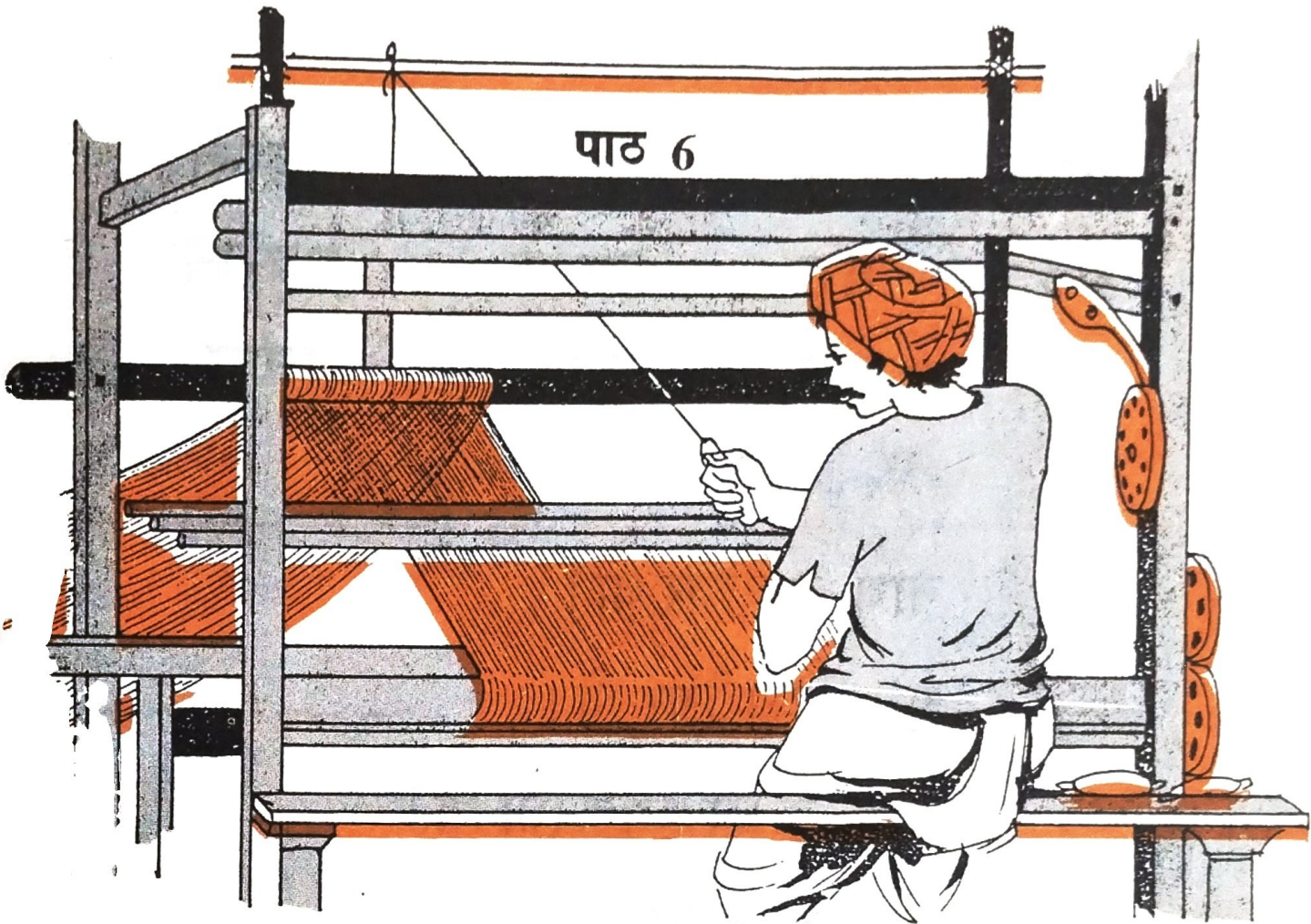
हथकरघा बुनाई

थ घ ु ई

थ	थन	थान	थैला	नथ
घ	घर	घाम	घी	बाघ
ु	दुख	धुरी	दुकान	बुनना
ई	ईख	ईद	नई	ईमान

हथकरघा से करे बुनाई।
समझो घर की बढ़ी कमाई ॥

थाली	माथा	बुराई	मथानी
राई	घेरा	घराना	घबराना
गुन	धुलाई	गुनना	धुनना

नाथू कारीगर था।

बुधनी कारीगर थी।

नाथू के घर हथकरघा था।

नाथू का काम,

बुनाई का काम।

बुधनी का काम,

धागा बनाने का काम।

नाथू, बुधनी के घर,

कमाई का धन।

16 17 18 19 20

अभ्यास–6

1. पढ़िए :

(क) थन हाथी बाघ घूमना

दुख खुदा बुलबुल ईमान

(ख) करघे की धुन।

सुन सुन सुन।

बुन बुन बुन।

2. लिखिए :

(क) थ ---- ---- ---- ----

च ---- ---- ---- ----

ई ---- ---- ---- ----

(ख) थाल हथेली घाघरा घूमना

---- ---- ---- ----

---- ---- ---- ----

(ग) रामलाल हथकरघा का काम कर।

---- ----- --- --- ---

खादी की बुनाई कर।

----- --- ------ ----

खूब धन कमा।

---- ----- -----

3. गिनती लिखिए:

10 + 6 = 16 ....

10 + 7 = 17 ....

10 + 8 = 18 ....

10 + 9 = 19 ....

10 + 10 = 20 ....

जाँच-पत्रः 2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1 पढ़िये :

(क) दुकान   नगीना   आमदनी   आबादी

हथेली   थैला   बबूल   ईमान

(ख) हथकरघा लगा, धन कमा, कमाई कर।

2 लिखिए :

(क) बुनाई ----   हथकरघा ----   मथानी ----

कानून ----   करेला ----   गेरु ----

(ख) (i) यह कमला की गाय है।

--- ---- --- -------

(ii) अमर ने बाग लगाया।

----- ---- ---- -----

(1) 5 से 1 तक की उल्टी गिनती लिखिए :

---- ---- ---- ---- ----

(2) छूटी गिनती को खाली स्थान में लिखिये :

..... 2 3 .... 6 ..... 7 ..... 8 9 .....

पाठ 7
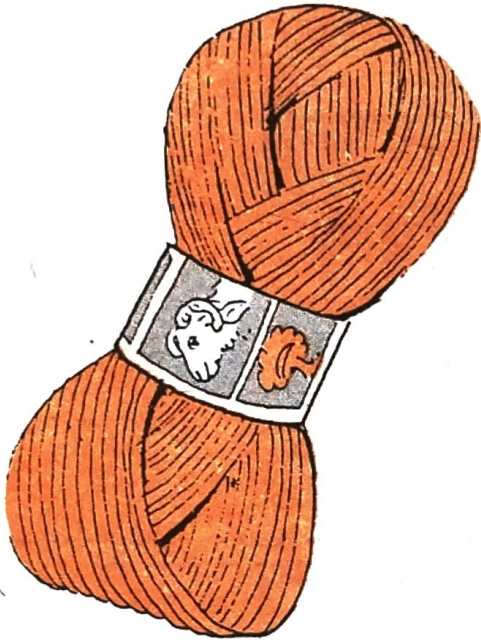
ऊन रोजगार नौकरी

ऊ ोज ौ

ऊ	ऊखल	ऊपर	नाऊ	बिकाऊ
ो	थोक	दोना	बोली	धोखा
ज	जल	जाल	जमीन	खजाना
ौ	पौधा	बौना	बौर	रौनक

ऊन का धागा और ऊन की ही गठरी।
अपना ही रोजगार, अपनी ही नौकरी ॥

गौरी होली दरोगा कमजोर

जमाना बाजा कौम मजदूर

कमला ने ऊनी कालीन बुना।

अमर बाजार गया।

कालीन बिकेगी।

कालीन का रोजगार घरेलू रोजगार है।

रोजगार होने पर कमाई होगी।

खाली रहने पर कोई रोजगार जरूर करो।

21	22	23	24	25
26	27	28	29	30

अभ्यास—7

1. पढ़िए :

(क) ऊ ज

(ख) ऊखल दाऊ बाजरा मजदूरी

(ग) ऊनी दरी बनाना, घरेलू रोजगार है।
कोई न कोई रोजगार करो, खाली न रहो।

2. लिखिए :

(क) ऊ --- --- --- --- ---
ज --- --- --- --- ---

(ख) ऊपर गऊ मोर हौदा

---- ---- ---- ----

---- ---- ---- ----

(ग) कमला खादी बुन रही है।

----- ---- --- --- --

कमल नौकरी कर रहा है।

---- ----- --- --- --

3. गिनती लिखिए :

(क)

$20 + 1 = 21$ ....

$20 + 2 = 22$ ....

$20 + 3 = 23$ ....

$20 + 4 = 24$ ....

$20 + 5 = 25$ ....

$20 + 6 = 26$ ....

$20 + 7 = 27$ ....

$20 + 8 = 28$ ....

$20 + 9 = 29$ ....

$20 + 10 = 30$ ....

(ख) खाली जगहें भरकर गिनती पूरी कीजिए :

21 .... 24 ....

26 .... 29 30

पाठ 8

औरत ओढ़नी

औ त ओ ढ़

औ	और	औगी	औजार	औलाद
त	तन	तखत	ताकत	तीर
ओ	ओला	ओखली	ओहदा	ओहार
ढ़	गढ़	बाढ़	कढ़ाई	पढ़ाई

औरत ओढ़े ओढ़नी, खड़ी है घर के पास।
घर-बाहर के काम से, मिली है पल भर साँस ॥

तरीका	तीतर	तरकीब	राहत
काढ़ा	गढ़ाई	ओज	तीमारदारी

औतार खेती करता है। खूब मेहनत करता है। तारा हथकरघा पर काम करती है। खूब काम करती है। ओढ़नी पर कढ़ाई करती है। आमदनी बढ़ती है।

औतार, तारा को पढ़ाता है। तारा, माया, रमा को पढ़ने की बात बताती है। पढ़ाई अकल बढ़ाती है। खान-पान का तरीका आता है। औतार कहता है— औरत का मान होगा तो घर आगे बढ़ेगा।

31	32	33	34	35
36	37	38	39	40

अभ्यास – 8

1. पढ़िए :

(क) औ त ओ ढ़

(ख) औलाद तार ओला गढ़ी

(ग) औरत-आदमी का हक बराबर है।

मेहनत हो या मजदूरी,

या घर का कामकाज,

बराबरी जरूरी है।

2. लिखिए :

(क) औखली ------ तीमारदारी ------

औलाद ------ पढ़ाई -------

3.(क) गिनती लिखिए :

30 + 1 = 31 ....

30 + 2 = 32 ....

30 + 3 = 33 ....

30 + 4 = 34 ....

30	+	5	=	35	....	....	....
30	+	6	=	36	....	....	....
30	+	7	=	37	....	....	....
30	+	8	=	38	....	....	....
30	+	9	=	39	....	....	....
30	+	10	=	40	....	....	....

(ख) खाली जगहें भरकर गिनती पूरी कीजिए :

31 .... 34 36

.... 38 40

पाठ 9

गाँव सरपंच

ँ व स ं च

ँ	माँ	आँख	दाँत	आँधी
व	वन	वीर	दवा	जीवन
स	सखा	सुख	सूप	सेवा
ं	अंग	अंधा	कंघा	धंधा
च	चमक	चना	चावल	चीनी

गाँव हमारा, सरपंच हमारा।
नीति हमारी, न्याय हमारा।।

बाँध	**सरकार**	**आँगन**	**सच**
हवन	**जंगल**	**सवेरा**	**मानव**
साग	**चूना**	**बंजर**	**चौलाई**

सरपंच का चुनाव होने वाला है।

गाँव में बहुत चहल-पहल है।

रामअधार समाज-सेवी है।

सब लोग रामअधार को ही

सरपंच बनाना चाहते हैं।

वही सरपंच चुना गया।

सब चाहते हैं, गाँव आगे बढ़े।

पंचायत बुलाई गई।

योजना तैयार की गई।

गली में ईंट लगाने की बात मानी गई।

अगले रोज से काम होने लगा।

41	42	43	44	45
46	47	48	49	50

अभ्यास--9

1. पढ़िए :

(क) धाँधली सोयाबीन समाज-सेवी
संगीन चमकीला आँगन

(ख) सब चाहते हैं, गाँव आगे बढ़े।
गाँव बढ़ेगा, सब बढ़ेंगे।

2. लिखिए :

(क) योजना -------- पंचायत --------
बंगाल -------- संगीत --------

(ख) मंगल ने माँ से कहा– माँ, चौलाई का साग बना। माँ ने साग बनाया। मंगल ने चाव से खाया।

3.(क) गिनती लिखिए :

40 + 1 = 41 ....
40 + 2 = 42 ....
40 + 3 = 43 ....
40 + 4 = 44 ....
40 + 5 = 45 ....
40 + 6 = 46 ....
40 + 7 = 47 ....
40 + 8 = 48 ....
40 + 9 = 49 ....
40 + 10 = 50 ....

(ख) छूटी गिनती लिखिए :

41 .... 43 44 ....

46 .... 48 50

जाँच-पत्र : 3 (पाठ 1 से 9 तक के लिए)

1. पढ़िए :

(क) कमान दलदल सीढ़ी औजार

आलसी सूत बुनकर बंदर

(ख) आजकल रोजगार की नई योजना चल रही है। लोग सरकार से मदद ले रहे हैं। नये काम सीख रहे हैं। लोगों का जीवन बेहतर हो रहा है। लोग आगे बढ़ रहे हैं।

2. सही शब्द चुनिए और वाक्य पूरा कीजिए :

(क) मनीराम का -------- हवादार है।

(दुकान/मकान)

(ख) रामलाल खेत में समय पर ------ देता है।

(पानी/ हवा)

(ग) हथकरघा से ------ बुनते हैं।

(बगीचा/गलीचा)

3. लिखिए :

आज गाँव में बहुत चहल-पहल है। सरपंच का चुनाव होने वाला है। सब लोग मत देने जा रहे हैं।

----

4. (क) खाली जगह में सही गिनती लिखिए :

25 .... 28 ..... 30 .... 33 ..... 35 36

.... 40 41 42 ..... 44 45

(ख) 50 से 41 तक उल्टी गिनती लिखिए :

50 ....

.... 41

प्रतिभागी का नाम ______________________ पता ____________

प्रवेश तिथि ______________________ ____________

परीक्षा तिथि ______________________ ____________

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर ______________________

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रमः ------------------------------------

परियोजनाः ------------------------------------

जिलाः ------------------------ उत्तर प्रदेश

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/ श्रीमती/ कु. ---- ---- सुपुत्र/ पत्नी/ सुपुत्री ---------ने सन् -- ---में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में 'नई किरन' भाग I को पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक | ग्राम प्रधान | अनुदेशक

तारीख ------